

## भारत का समुद्री इतिहास

### प्रलम्ब के लिये:

टैकाई पद्धति, [प्रोजेक्ट मौसम](#), लोथल, जातक कथाएँ, [जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट](#), मैरीटाइम वज़िन 2030

### मेन्स के लिये:

भारत के समुद्री व्यापार का इतिहास, भारत में समुद्री परिवहन की वर्तमान स्थिति

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

### चर्चा में क्यों?

[जहाज़ निर्माण की प्राचीन सिलाई वाली विधि](#) (टैकाई विधि) के उपयोग से निर्मित 21 मीटर लंबा जहाज़ नवंबर 2025 में ओडिशा से इंडोनेशिया के बाली तक की यात्रा के लिये रवाना होगा।

- [भारतीय नौसेना](#) के एक दल द्वारा संचालित, यह परियोजना न केवल भारत की समुद्री परंपरा को प्रदर्शित करती है बल्कि भारत के समुद्री इतिहास पर भी प्रकाश डालती है।
- यह पहल संस्कृति मंत्रालय के [प्रोजेक्ट मौसम](#) के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य समुद्री सांस्कृतिक संबंधों को पुनः स्थापित करना और [हिंद महासागर की सीमा से लगे 39 देशों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी को बढ़ावा देना](#) है।

## भारत के समुद्री व्यापार का इतिहास:

- **समुद्री व्यापार के प्रारंभिक साक्ष्य:**
  - **सधु घाटी और मेसोपोटामिया:** लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व में प्रारंभिक काल के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के व्यक्तियों द्वारा समुद्री व्यापार करने का साक्ष्य पाया गया है।
    - **लोथल** (वर्तमान गुजरात में) में पाया गया डॉकयार्ड **ज्वार और हवाओं की कार्यप्रणाली के विषय** में इस सभ्यता की गहन समझ को दर्शाता है।
  - **वैदिक और बौद्ध धर्म संबंधी संदर्भ:** 1500-500 ईसा पूर्व के बीच रचित वेदों में **समुद्री यात्रा की अनेकों कहानियाँ वर्णित** हैं।
    - इसके अतिरिक्त, **जातक कथाएँ** और **तमिल संगम साहित्य**, 300 ईसा पूर्व से लेकर 400 ईस्वी तक वसित प्राचीन भारतीय समुद्री गतिविधियों के विषय में अंतरदृष्टि प्रदान करते हैं।
- **समुद्री गतिविधि की गहनता: पहली शताब्दी ईसा पूर्व** तक समुद्र के माध्यम से आवागमन तीव्र हो गया, जो आंशिक रूप से विश्व के **पूर्वी भाग की वस्तुओं के लिये रोमन साम्राज्य की मांग** से प्रेरित था।
  - लंबी यात्राओं को पूरा करने के लिये **मानसूनी पवनों की शक्ति** का प्रयोग महत्त्वपूर्ण हो गया और **रोमन वाणिज्य** ने ऐसी समुद्री यात्राओं को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - रोमनों ने **कोरोमंडल तट** से **घोड़े, मोती और मसाले** जैसे उत्पाद प्राप्त किये।
- **विधि नाव-निर्माण परंपराएँ:** प्राचीन भारतीय नाव-निर्माण परंपराएँ **विधि** थीं और इसमें **अरब सागर की कॉयर-सिलाई परंपरा, दक्षिण पूर्व एशिया की जॉंग परंपरा एवं आउटरगिर नावों की ऑस्ट्रोनेशियन परंपरा** शामिल थीं।
  - इन परंपराओं में प्रायः निर्माण के लिये नावों में कीलें लगाने के बजाय उनकी सिलाई की जाती थी।
  - जहाज़ निर्माण के लिये विभिन्न प्रकार की लकड़ी का प्रयोग किया जाता था, जिसमें **मैंग्रोव की लकड़ी डॉवेल के लिये और सागौन की लकड़ी तख्तों, कीलों एवं स्टर्न पोस्ट के लिये** आदर्श होती थी।
    - इन लकड़ी के प्रयोग के साक्ष्य हिंद महासागर के तटीय समुदायों और पुरातात्विक स्थलों पर पाए जा सकते हैं।
- **व्यापार के केंद्र के रूप में भारत:** सामान्य युग तक हिंद महासागर एक जीवंत **"ट्रेड लेक (व्यापार झील)"** बन गया था, **जिसके केंद्र में भारत था:**
  - **पश्चिमी व्यापार मार्ग:** भारत मध्य पूर्व और अफ्रीका के माध्यम से यूरोप से जुड़ा हुआ है, जिसमें **भरूच और मुज़रिस** जैसे बंदरगाह महत्त्वपूर्ण व्यापार केंद्र के रूप में कार्यरत हैं।
  - **पूर्वी व्यापार मार्ग:** चीन के हेपू में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के भारतीय कलाकृतियों के साक्ष्य, भारत को चीन और मलेशिया से जोड़ने

वाले एक समुद्री मार्ग का संकेत देते हैं।

- बंगाल में **ताम्रलिप्ति** ने इस व्यापार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इन समुद्री नेटवर्कों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को **बढ़ावा देते हुए** विभिन्न पृष्ठभूमि के व्यक्तियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाया।
- **मसिर में बेरेनिके तक** भारतीय मूल की कलाकृतियाँ खोजी गई हैं, जिनमें **हट्टी देवताओं के चित्र** और संस्कृत में शिलालेख भी शामिल हैं।



//

## भारत में समुद्री परिवहन की वर्तमान स्थिति

- भारत विश्व का **16वाँ सबसे बड़ा समुद्री देश** है। वर्तमान में, भारत में समुद्री परिवहन मात्रा के हिसाब से **95%** और मूल्य के हिसाब से **68%** व्यापार संभालता है।
  - भारत विश्व के शीर्ष **5 जहाज़ रीसाइकलिंग** देशों में से एक है और वैश्विक जहाज़ रीसाइकलिंग बाज़ार में **30%** की हस्तिसेदारी रखता है।
  - भारत जहाज़ तोड़ने वाले उद्योग में **30%** से अधिक वैश्विक बाज़ार हस्तिसेदारी का मालिक है और अलंग, गुजरात में विश्व की सबसे बड़ी जहाज़ तोड़ने वाली सुविधा का स्थान है।
- दिसंबर 2021 तक, भारत के पास **13,011 हजार के सकल टन भार (GT) के बड़े की ताकत** थी। हालाँकि, क्षमता के मामले में भारतीय बड़े विश्व के बड़े का सरिफ **1.2%** है और भारत के **EXIM व्यापार (आर्थिक सर्वेक्षण 2021-2022)** का केवल **7.8%** (2018-19 के लिये) वहन करता है।
- वर्ष 2017 में, सरकार ने बंदरगाह-आधारित विकास और रसद-गहन उद्योगों के विकास की दृष्टि से महत्त्वाकांक्षी **सागर माला कार्यक्रम** शुरू किया।
  - भारत में वर्तमान में **12 प्रमुख और 200 गैर-प्रमुख/मध्यवर्ती बंदरगाह** (राज्य सरकार प्रशासन के तहत) हैं।
  - **जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट** भारत का सबसे बड़ा प्रमुख बंदरगाह है, जबकि **मुंद्रा** सबसे बड़ा नज्दी बंदरगाह है।
- **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030** ने भारतीय समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये **150 से अधिक पहलों** की पहचान की है।

